

भाकृअनुप—कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर

ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY APPLICATION RESEARCH INSTITUTE, KANPUR

ISO 9001 : 2015

Volume : VI

January-March, 2017

निदेशक की कलम से

भा.कृ.अनु.प. — अटारी कानपुर के महत्वपूर्ण कार्यों में कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों और योजनाओं की समीक्षा एवं उसकी निगरानी करना व प्रौद्योगिकी एकीकरण और प्रचार—प्रसार से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों के प्राथमिकताओं की पहचान एवं लागू करना तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर संस्थानों, कृषि एवं अन्य सम्बंधित विभागों और गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय कर केवीके के अनिवार्य कार्यक्रमों को संचालित करना और कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए वित्तीय और ढाचागत सुविधा प्रदान करना इत्यादि है।

केवीके की गतिविधियों में शामिल हैं — प्रक्षेत्र परिक्षण के द्वारा विभिन्न खेती प्रणाली के तहत कृषि के स्थान विशिष्टता की पहचान करना, किसानों के खेती की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन का आयोजन करना, किसानों में आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों से सम्बंधित ज्ञान एवं कौशल विकास करना और विस्तार कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए उन्हें प्रौद्योगिकी के विकास के अग्रणी क्षेत्रों में उन्मुख करना, इनके अतिरिक्त जिले की कृषि अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए सार्वजनिक, निजी और स्वैच्छिक क्षेत्र की पहल का समर्थन करने के लिए कृषि प्रौद्योगिकी के संसाधन और ज्ञान के केंद्र के रूप में काम करना तथा सूचना व प्रसार तकनीकों के उपयोग से केवीके द्वारा किसानों तक खेती संबंधी जानकारी पहुँचाना भी शामिल है। इसी क्रम में उन्नतशील कृषि तकनीकी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विस्तार गतिविधियों को बड़ी संख्या में प्रयोग में लाया जाना तथा बीज और रोपण सामग्री जो कि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा पैदा की जाती है, किसानों को उपलब्ध कराया जाना अन्य प्रमुख गतिविधियाँ हैं।

संस्थान के इस समाचार—पत्र के चौथे तिमाही (जनवरी—मार्च) में अटारी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें—

- पी.सी.एस. परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिये कानपुर अटारी में दो फेज में कृषि सम्बंधित ट्रेनिंग सम्पन्न कराई गई। इसमें ४० जिलों के होने वाले डिप्टी कलक्टर शामिल हुये।
- भा.कृ.अनु.प.—अटारी, कानपुर संस्थान के मोबाइल एप्प को विकसित किया जा रहा है। यह ट्रेनिंग संस्थान में 14—15 फरवरी 2017 को सम्पन्न हुई तथा इसमें 30 कृषि विज्ञान केन्द्रों ने भाग लिया।
- ज्ञान प्रबन्धन के लिये आई.सी.ए.आर. रिसर्च डाटा रिपाजिटरी के नोडल आफिसर की दूसरी कार्यशाला नई दिल्ली में 24—25 जनवरी 2017 में सम्पन्न हुई जिसमें डा. त्रिलोचन महापात्रा, (डी.जी.) आई.सी. ए.आर. मुख्य अतिथि के रूप में थे।



- दो दिवसीय तिलहनी राष्ट्रीय समीक्षा कार्यशाला इंदिरा गांधी कृषि वि.वि, रायपुर में 17—18 फरवरी 2017 में सम्पन्न हुई जिसमें प्रधान वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें पिछले साल की उपलब्धियों पर चर्चा एवं इस साल के कार्ययोजना पर चर्चा हुई।
- भा.कृ.अनु.प.—अटारी को ISO 9001:2015 गुणवत्ता नियंत्रण प्रमाण पत्र के समारोह 31 जनवरी 2017 को संस्थान में दिया गया, इस समारोह में इंजी. अंकुर सिंहला (लीड आडिटर), गुणवत्ता नियंत्रण प्रमाणन, नई दिल्ली, कुलपति, सी.एस.ए. कानपुर, बी.यू.ए.टी. बांदा, निदेशक, अटारी एवं संस्थान के अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।
- आर्या प्रोजेक्ट की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक भा.कृ.अनु.प.—अटारी में आयोजित हुई जिसमें उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड के कृषि विज्ञान केन्द्रों ने भाग लिया तथा इस बैठक में निदेशालय के निदेशक के साथ—साथ कई विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।
- सीसा—सिमिट इण्डिया की समीक्षा कार्यशाला संस्थान में सम्पन्न हुई, इस कार्यशाला में कुशीनगर तथा देवरिया के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- एक दिवसीय मृदा परीक्षक किट कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 मार्च 2017 को कानपुर—अटारी में आयोजित की गई, इस कार्यशाला में कृषि विज्ञान केन्द्रों के मृदा वैज्ञानिकों को मृदा किट के बारे में प्रशिक्षण एवं समस्या पर समीक्षा की गई।
- दिनांक 19 मार्च 2017 को भा.कृ.अनु.प.—अटारी कानपुर का स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें संस्थान के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण शामिल हुए।
- पौध प्रजाति सुरक्षा एवं कृषक अधिकार अधिनियम के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भा.कृ.अनु.प.—अटारी में दिनांक 20—21 मार्च 2017 को किया गया।
- जलवायु समुस्थानशील कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार (NICRA) कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20 मार्च 2017 को किया गया। इस कार्यशाला में 15 के.वी.के. ने भाग लिया।
- कृषक महिलाओं की दक्षता बढ़ाने के लिये समीक्षा बैठक 28—29 मार्च 2017 को भा.कृ.अनु.प.—अटारी संस्थान में आयोजित की गई। इसमें गृह विज्ञान के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- निदेशक, भा.कृ.अनु.प.—अटारी कानपुर की अध्यक्षता में दलहन बीज केन्द्र पर एक समीक्षा बैठक और कार्ययोजना दिनांक 22 मार्च 2017 को संस्थान में आयोजित की गई जिसमें कई वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने भाग लिया।

पीसीएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए ट्रेनिंग



पीसीएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए अटारी कानपुर द्वारा दो फेज में ट्रेनिंग सम्पन्न हुआ। यह ट्रेनिंग दो समूहों में कराई गई। पहला समूह के ट्रेनिंग ६ जनवरी को २० लोगो की व दूसरे समूह में १२ जनवरी २० लोगो की कराई गई।

दिनांक ६ जनवरी, २०१७ की ट्रेनिंग का शुभारम्भ डॉ. एस. के. दुबे, प्रधान वैज्ञानिक, आई. सी. ए. आर., अटारी कानपुर के द्वारा हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ. एस. बी. पाल, एसोसिएट प्रोफेसर, सी. एस. ए. यू. ए. एंड टी., कानपुर; डॉ. आर. बी. सिंह, ट्रेनिंग ऑफिसर इंचार्ज व २० जिलो के होने वाले डिप्टी कलेक्टर शामिल थे। जिनमें एटा, पीलीभीत, बरेली, उन्नाव, वाराणसी, सीतापुर, मेरठ, फैजाबाद, जौनपुर, हरदोई, आगरा आदि जिले से थे। इस कार्यक्रम में डॉ. एस. के. दुबे ने सभी को अग्रिम पंक्ति कृषि प्रसार कार्यक्रमों के बारे में बताया और इस अटारी के क्या-क्या कार्य है, इस पर भी चर्चा की। इस कार्यक्रम में डॉ. आर. बी. सिंह ने ध्यान एवं योग का भी एक सत्र रखा।

12 जनवरी 2017 की ट्रेनिंग का शुभारम्भ डॉ. यू. एस. गौतम, निदेशक, आई. सी. ए. आर., अटारी कानपुर के द्वारा हुआ इस कार्यक्रम में डॉ. एस. बी. पाल, एसोसिएट प्रोफेसर, सी. एस. ए. यू. ए. एंड टी. कानपुर; डॉ. आर. बी. सिंह, ट्रेनिंग ऑफिसर इंचार्ज व 20 जिलो के होने वाले डिप्टी कलेक्टर शामिल थे। इस कार्यक्रम में डॉ. यू. एस. गौतम ने सभी को फ्रंट लाइन एक्सटेंशन प्रोग्राम के बारे में बताया और इस कार्यालय से जुड़े कार्यक्रम और कृषि विज्ञान केन्द्रों के बारे में अवगत कराया।

Development of Mobile App of ICAR-ATARI, Kanpur : eKVK-UP



ICAR has initiated to develop mobile app of each KVK for the benefit of farming community. In this regard a short meeting on Development of Mobile App by ICAR-ATARI, Kanpur was held on 13 January, 2017. In this meeting Dr U.S. Gautam, Director; Dr Atar Singh, PS, & Dr. S.K. Dubey, PS from ICAR-ATARI, Kanpur and other dignitaries Dr. Dhoom Singh, DE, Dr S.K. Srivastava from CSAUAT, Kanpur were present and gave their views on requirements of Mobile App.

In this meeting Dr. U.S. Gautam, Director, ATARI focused on how to facilitate farmers by considering following points through Mobile App –

- KVK facilities, profile & their activities
- Commodity Trading Details
- Agro Meteorological Advisory
- Information on FLD/OFT/Training/Extn. Activities etc
- Query based information
- Mobile connectivity for quick response & easy communication
- Centralize information facility with ICAR-ATARI
- Medium for representing past, current & future events
- Awareness regarding special programmes for farming community
- Transparency of information & working
- Availability of digitized publications

Shri S.N. Yemul, Chief Technical Officer; Shri VD Shukla & KK Bajpai, Young Computer Professionals delivered the presentation on the cited subject.

CSAUAT, Kanpur also organized a training on Mobile App during 14-15 Feb, 2017. In this training 30 KVKs participated. Training was given on how to prepare content in both English and Hindi language so that farmers can understand easily. Technical know-how were also presented by both the young professionals namely Shri KK Bajpai and Shri V.D. Shukla from ICAR-ATARI, Kanpur

Training on Krishi Portal at IASRI, New Delhi



Second Workshop of Nodal Officers of ICAR Research Data Repository for Knowledge Management was attended by Shri S.N. Yemul, Chief Technical officer at NASC and IASRI, New Delhi during 24-25 January, 2017. Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary DARE & DG ICAR hosted this workshop as the chief guest. In his inaugural address, he highlighted the following points

- Data acquisition should be correct
- Photographic image must be used as a well-established medium for preserving the events, remembering the things as well as to keep as evidence. More importantly, readers are better able to understand a subject when they can look at helpful pictures for reference.
- Every institute should have their own database and all the work should be well computerized and kept in digitized manner with good indexing.
- PME cell should be well equipped
- Every information should have backup and kept on second medium i.e. server, hard disc, DVDs etc
- Practical knowledge is very important for this and one should discuss, plan and share the things better improvement
- Credit should go to the person who develop the data and give his name in the publication.
- Ownership of the data should be there to avoid its misuse
- Do not store the data - publish it and upload it
- Before leaving the institute, take the digitize data and manual data sheets from RA and SRF

Other important dignitaries present on the occasion were Dr. K. Alagusundaram, DDG (Agril. Engg.) and Dr. A.K. Sikka, DDG (NRM) who also expressed their views on KRISHI Portal for its betterment while execution.

National Review Workshop of Oilseeds at IGKV, Raipur



National Review Workshop of Oilseeds was organized at IGKV-Raipur during 17-18 Feb 2017. From this zone, Dr. Atar Singh, PS (Agron.); Dr. Dhoom Singh, DE, CSAUAT, Kanpur & SRF attended this workshop. The technical session was chaired by Dr. A.K. Singh, DDG(AE), ICAR-New Delhi as the Chief Guest; Co-Chaired by Dr. V.P. Chahal, ADG(AE) New Delhi; DE, IGKV Raipur; Dr. M. P. Thakur and Dr. Anupam Mishra, Director ICAR-ATARI, Jabalpur. Remarks on following point were given by the dignitaries –

- Developing Action Plan on Oilseeds continuously to achieve success story and it is main agenda of this programme.
- 60% deficiency in oilseeds and Rs. 70 thousands crores invested for import of oils from outside.
- Best National and Zonal Award every year for KVKs & ATARIs may be given.
- How to validate innovations for Horizontal Spread.
- Price utilization in oil palm.
- Small pocket diary of Govt. Schemes and oilseeds publishing in month time.
- Awareness about GOI, State Govt. Scheme planning to the farmers.
- Skill development training for 200hrs for every KVKs, need to be compulsory.
- Identification of critical inputs and full package of practices.
- Empowerment of Women.
- Production, processing and marketing should be focused.
- List of farmers should be on KVK Portal with the Adhar card number of the farmer.
- Achievements should also be depicted on website.

ICAR-ATARI, Kanpur Awarded Quality Control Certification ISO 9001: 2015



The Award Ceremony of Quality Control Certification ISO 9001: 2015 was organized on 31 January 2017 at ICAR-ATARI, Kanpur. The ISO award was given by Er. Ankur Singla, Lead Auditor, Quality Control Certification, New Delhi. He also narrated the importance of the ISO certification. On this occasion, Dr. S. L. Goswami, Hon'ble Vice Chancellor, BUA&T, Banda was present as the Chief Guest and Dr. S. Soloman, Hon'ble Vice Chancellor, CSAUA&T, Kanpur was the Guest of Honour on this occasion. Dr. Dhoom Singh, Director Extension, CSAUA&T, Kanpur; Dr. N.K. Bajpai, Director Extension, BUA&T, Banda; Dr. Ram Batuk Singh, DAM, CSAUA&T, Kanpur; Dr. Jitendra Singh, Associate Director Extension CSAUA&T, Kanpur. Dr. Atar Singh, PS(Agronomy); Dr. S.K. Dubey, PS(AE) & all the staff of ICAR-ATARI Kanpur were present during this event. Chief Guest appreciated the efforts of all the staff of ICAR-ATARI, Kanpur for receiving the award of ISO certificate. He also emphasized that other universities and KVK should follow the procedure and guidelines to get such awards.

Dr. U.S. Gautam welcomed the Chief Guest and delivered introductory remarks. Hon'ble Chief Guest also released the Quarterly News Letter of ICAR-ATARI, Kanpur, Volume 5 (Oct-Dec.), 2016 during the occasion.

Zonal Review Meeting of ARYA Project



Zonal level review meeting of ARYA project was held at ICAR-ATARI Kanpur on 6 March, 2017. Krishi Vigyan Kendra (KVK), Muzaffarnagar (Uttar Pradesh) and Krishi Vigyan Kendra (KVK), Haridwar (Uttarakhand) attended this review meeting. The resource persons namely Dr. Munish Gangwar, Head, agri-business centre, CSAUAT, Kanpur; Dr. Dhoom Singh, Director Extension, CSAUAT, Kanpur, Dr. S.P.S. Tyagi, Head (Animal Husbandry and Dairying Division), CSAUAT, Kanpur and Dr. Atar Singh, PS (Agron), ICAR-ATARI, Kanpur were present in the meeting. The meeting was Chaired by Dr. U.S. Gautam, Director and coordinated by Dr. S. K. Dubey, PS(AE), ICAR-ATARI, Kanpur.

In the opening remarks, Dr. S.K. Dubey, PS(AE) briefed the house about the significance of this project as envisioned by ICAR. He also made the reference of National level review meeting of ARYA project held in the month of January 2016 at New Delhi in which it was categorically decided that both KVKs of Uttar Pradesh and Uttarakhand must focus on including more number of youth in this program and also using the group approach for effective spread of the project. In the inaugural remarks, Director ICAR-ATARI Kanpur, Dr. U.S. Gautam impressed upon the house for documenting the output and outcome of ARYA project and also making the results as objective and quantified as possible.

The presentation was made by both the KVKs on technical progress, financial progress for year 2016-2017 and the action plan for year 2017-2018.

Review workshop of CSISA-CIMMYT

One day review workshop of CSISA-CIMMYT partnership programme was organised on 14 March, 2017. Head of KVK Kushinagar and scientists from KVK Deoria participated in this review workshop and presented the work progress of Rabi 2016-17 in respect of On Farm interventions related to 10 farmer participatory trials in Zero Till Wheat crops.

Dr. R.K. Malik Country representative of CSISA-CIMMYT also representing the session. Dr. S.K. Dubey, PS(AE) coordinated the programme.

Workshop on Soil Testing Kit



One day workshop on Soil Testing Kit was organized at ICAR-ATARI, Kanpur on 18 March 2017. Dr. Dhoom Singh, Director Extension, CSAUA&T, Kanpur Chaired the function as the Chief Guest; Dr. Tapan Adhikari, PS, ICAR-IISS Bhopal ; Dr. U.S. Gautam, Director, ICAR-ATARI, Kanpur; Dr. Atar Singh, PS (Agro); Dr. Deepak Kaul, IISS Bhopal; Mr. T. Rama Murthy from Nagarjuna Pvt Ltd. Hyderabad were present in the programme. In the inaugural speech Dr. Atar Singh, PS (Agro), ICAR-ATARI, Kanpur expressed the overall scenario of the Soil Testing Kit used by the KVKs and also narrated the number of Soil Health Cards distributed by the KVKs to the farmers.

Dr. U.S. Gautam, Director, ICAR-ATARI also discussed about the Soil testing Kit and purpose of the workshop.

This programme was targeted for 3000 soil health card distribution from each KVK which is monitored by Government of India. Dr. Tapan Adhikari emphasized on proper soil sample collection, training organized among the farmers by the Soil Scientist/ Head of KVKs because it is essential for preparing good soil report. He also requested the scientists to collect samples on grid basis. The parameters of grid sampling should be 2.5 ha for irrigated and 10 ha for rain fed situation.

Dr. T Rama Murthy of Nagarjuna Pvt. Ltd, Hyderabad & Dr. Deepak Kaul displayed the soil testing machine among the KVK scientists and explained how to analyze and develop proper soil test report of soil samples.

KVKs of Fatehpur, Jalaun, Chandauli, Badaun, Saharanpur, Kushinagar, Sultanpur, Ghazipur, Mirzapur & Ghaziabad have achieved more than targeted soil sample analysis and distributed soil cards as per target.

Celebration of Foundation Day



ICAR-ATARI, Kanpur celebrated its foundation day on 19 March, 2017. On this occasion all the office staff expressed their views regarding - Past Directors of the institutes, administrative staff and their work culture. Director ATARI and all ATARI staff also shared their views on this occasion. On this event Shri R.B. Verma, AAO was also awarded for his work performance during the year 2016-17. Director also discussed on how to improve work culture.

Plant Protection Variety and Farmers Right Act (PPV&FRA) Workshop



Two days workshop was organized during 20-21 March, 2017 at ICAR-ATARI, Kanpur. Chief Guest of this workshop was Dr. P. K Singh (PS) ICAR-IISR, Lucknow and the event was Co-chaired by Dr. U.S Gautam, Director, ICAR-ATARI, Kanpur and attended by Dr. Ajit Kumar Srivastava, RA, ICAR- ATARI Kanpur, along with KVK Heads/Sr. Scientist, Scientists and other staff of the ICAR-ATARI, Kanpur.

On this occasion Dr. U. S. Gautam, Director, ICAR-ATARI, Kanpur remarked on PPV&FRA project regarding progress made and budget utilization. He appreciated some of the KVKs' performances whereas others were suggested to follow the similar activities on collection of material and organizing the training programme. Further, he narrated KVKs to demonstrate the mandate of the project. He also urged to the KVKs that they must collect and document the samples latest up to the 31 March, 2017.



NICRA Workshop



One day workshop on NICRA project was organized on 20 March, 2017 at ICAR-ATARI, Kanpur. Chief Guest of this workshop was Dr. U.S Gautam Director, ATARI, Kanpur. Dr. Ajit Kumar Srivastava, RA, ICAR- ATARI Kanpur, along with KVK Heads/Sr. Scientist, Scientists and SRFs of the ICAR-ATARI, Kanpur participated. Presentation on NICRA based on different vulnerabilities such as flood, drought, heat stroke, ground water depletion, cold wave hail storm, water logged etc. NICRA stands for National Innovations in Climate Resilient Agriculture. Uttar Pradesh state facing drought problems to the extent of 60% in 32 districts and 40% in 12 districts.

KVK, Baghpat has been selected for ground water depletion and KVK, Pratapgarh for sodicity problem and therefore, judicious use of ground water and use of short duration and tolerant varieties respectively were suggested. Also the interventions like use of laser land leveler was promoted. The funds utilization by KVK is really a matter of concern due to lack of staff and administrative problems.

Director, ICAR-ATARI appreciated some of the KVKs for on their performances. He emphasized on climate resilient technologies and its successful interventions against specified climate vulnerability in the given district. The successful interventions should be scaled up and taken up to the State Departments for large scale demonstration. Since the project has completed 5 years hence, some replicable modules should come out from the project. Successful interventions and technologies activities should highlighted. Further, he shared with house about his successful experiences about it. The commitments towards the work win over every situation.

Review Meeting of Inter-institutional Research Project on *Combating Drudgery for Enhancing Farm Women's Efficiency in Different Agro-climatic Zones of Uttar Pradesh and Uttarakhand*



Review meeting of Inter-institutional Research Project on Combating Drudgery for Enhancing Farm Women's Efficiency in Different Agro-climatic Zones of Uttar Pradesh and Uttarakhand was held during 28-29 March, 2017. Chief Guest Dr O.P. Singh, Ex. DE, SVPUAT, Meerut inaugurated this meeting. Other Dignitaries Dr. (Mrs) Razia Parvez, Prof., SHIATS, Allahabad, Dr. U.V. Kiran, Lucknow, Dr US Gautam, Director, ATARI, Kanpur, Dr. Atar Singh, PS (Agron) and Dr. S.K. Dubey, PS(AE) gave their views on the subject. Thirty two KVKs of U.P. and Uttarakhand under nine agro-climatic zones are involved for implementing this important women oriented project. The participating Home Scientists/SMS (H.Sc.) are the CoPIs. This project is being jointly implemented by ICAR-ATARI, Kanpur & SHIATS, Allahabad, and the KVKs. Following objectives & work plan of this project were discussed by the dignitaries during the session –

- Quantification of extent of drudgery experienced by the women farmers in various farm related activities in the project area
- To study the Work Rest Cycle for farm women with respect to their age, body weight, height and nutrition intake for different drudgery prone farm operations.
- Assessment of available drudgery reducing tools and equipments on farm women, suitability modify and

redesigning them to make ergonomically sound for enhancing work efficiency

- Standardizing the zone specific 'Ergonomically Sound Technology Kit' for reduction of the drudgery of farm women and devising the strategies for their upscaling..

Dr. U.S. Gautam and Dr. O.P. Singh also shared the following points for successful implementation of this project –

- What is the quantified estimate of hardship & drudgery of women farmers in crop production, livestock and post harvest related operations ?
- What are the different gender appropriate tools and farm implements recommended by research institutes and how effective they are in real working situation ?
- What prototype or kit can be developed containing the available and tested drudgery reducing tools for farm women ?



Review workshop on Seed Hub Project



A Review Meeting & Action Plan on Pulses seed hub was held under the Chairmanship of Dr. U.S. Gautam, Director, ICAR-ATARI, Kanpur in the Conference Hall of ATARI, Kanpur on 22 March, 2017. Dr. P.K. Katiyar, Nodal Officer (Seed Hub), ICAR-IIPR, Kanpur, Dr Dhoom Singh, Director

Extension, CSAUA&T, Kanpur; Dr. N.K. Bajpai, Director Extension, BUA&T, Banda and all the Head/ Scientists of Krishi Vigyan Kendras of pulses seed hub participated in the programme.

At the outset, Chairman welcomed all the participants and briefed about the programme of establishment of Seed Hubs for pulses in the country funded under the NFSM through ICAR, New Delhi in general and in Zone IV in particular. In his remarks, he made a mention that to cope up with the targeted production of pulses in the country, self reliance is more important and reduces import of pulses. In this direction creation of Seed Hubs on pulses is one of the options to harness the pulses production through the availability of quality seeds at the door steps of the farmers in the KVK respective districts.

Dr. P.K. Katiyar, Nodal Officer (Seed Hub), ICAR-IIPR, Kanpur discussed with head KVKs of Seed hub & try to solve their problems. He also explains the operational guidelines and highlighted important points regarding availability of breeder seed, target of seed production, use of varieties under 10 years old etc.

Quarterly Achievements of KVKs during January-March, 2017

During the Quarter under report, KVKs of U.P. & Uttarakhand have achieved following mandated activities –

- On Farm Trials (OFT No. 343, Beneficiaries:1240)
- Frontline Demonstrations (No. of Farmers: 14886, Area (ha): 3855.73)
- Training Programmes (Courses: 1714, Participants: 37433)
- Extension Activities (Number: 55181 Beneficiaries: 502772)
- Soil Sample Analysis (Number: 12753, Beneficiaries: 16051)
- Seed Production (2220.60 quintal)
- Sapling Production (2.39 lakh)
- Women in Agriculture – (Courses: 208, Beneficiaries: 4347) -Work includes drudgery reduction, protection from loss of food/produce, improvement in knowledge & skill of farm women, NHM & Kitchen gardening.

Published by

Director, ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute, Kanpur-208 002

Chief Editor : Dr. U.S. Gautam, Director

Editors: Dr. Atar Singh, Principal Scientist (Agron), Dr. S.K. Dubey, Principal Scientist (AE), Mr. Yemul Sanjeev N., Chief Technical officer,

Assistance : Dr. Ajit Kr Srivastava, RA (NICRA), Mr. Avanish K. Singh, Mr. Chandan Singh, Mr. Rajiv Singh, Mr. V. D. Shukla & Mr. K.K. Bajpai
Phone : 0512-2533560, 2554746 Fax: 0512-2533560; email: zpdicarkanpur@gmail.com, website: <http://atarik.res.in>